Raj Express (Indore), 03rd August 2023, Page – 11

आयोजन प्रौद्योगिकी में होने वाली श्रेष्ठता भविष्य के युद्धों में बनती जा रही निर्णायक कारक

इस साल आईआईटी इंदौर में लिया 480 स्टूडेंट्स ने एडमिशन

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

प्रौद्योगिकी में होने वाली श्रेष्ठता भविष्य के युद्धों में निर्णायक कारक बनती जा रही है। हमारी भविष्य की संयुक्त युद्ध संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रौद्योगिकी के विकास का लक्ष्य सभी रक्षा-संबंधी विज्ञानों को शामिल करते हुए एक व्यापक-आधारित प्रोग्राम होना चाहिए। यह कहना हैं मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन एंड इंजीनियरिंग (एमसीटीई) के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल केएच गवास का। आईआईटी इंदौर में नए बी.टेक स्टूडेंट्स के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम बुधवार को आयोजित किया गया। इसमें वे बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। ऑफलाइन हुए कार्यक्रम में पैरेंट्स भी शामिल हुए।

नए बी.टेक स्टूडेंट्स के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम

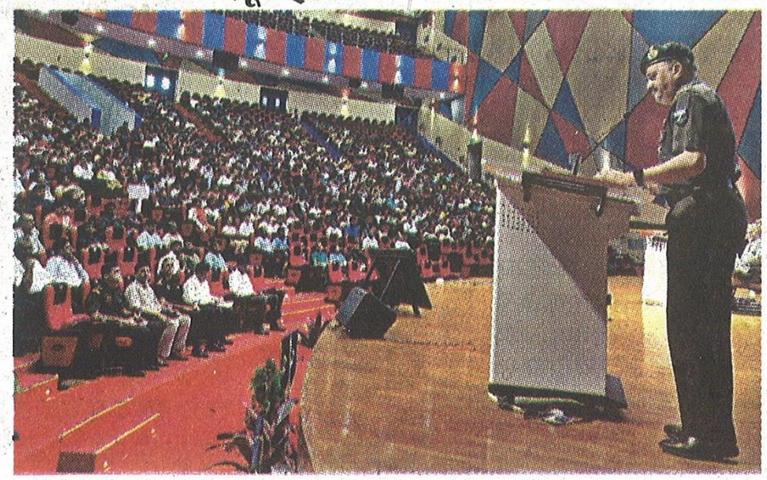

होना चाहिए गहराई से सोचने की क्षमता

लेफ्टिनेंट जनरल गवास ने कहा, रणनीति यह सुनिश्चित करने के लिए होनी चाहिए कि हम सामर्थ्य, समयबद्धता, दोहरे उपयोग, प्रौद्योगिकी आधार और मॉड्यूलर डिजाइन को ध्यान में रखते हुए बेहतर प्रौद्योगिकी को किफायती और महत्वपूर्ण सैन्य क्षमता में विकसित और परिवर्तित करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा, युद्ध के मैदान में, सूचना, उसका एकीकरण और वास्तविक समय पर कार्रवाई योग्य खुफिया जानकारी में रूपांतरण एक कमांडर को युद्ध में विजयी बढ़त प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण है। इसके लिए, एक लड़ाके के पास अपने प्रतिद्वंद्वी के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए युद्ध के मैदान के भौतिक क्षेत्र के अलावा, यानि लगातार गहराई से सोचने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही, भविष्य की प्रौद्योगिकियों में स्थितिपरक जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न सेंसर से प्राप्त जानकारी के एकीकरण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। यह, स्मार्ट निर्णय सहायता टूल के साथ मिलकर, आसानी से समझने योग्य रूप में सूचना आश्वासन, प्रबंधन और प्रतिनिधित्व को बढ़ावा देना चाहिए।

स्वास्थ्यवर्धक दिनचर्या अपनाएं

संस्थान के निदेशक प्रो. सुहास एस. जोशी ने एडमिशन लेने वाले सभी नए स्टूडेंट्स को बधाई दी और पूरे आईआईटी इंदौर परिवार को महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने कहा, स्टूडेंट्स को यह समझने की आवश्यकता है कि आपने यहां किसी उद्देश्य के लिए एडमिशन लिया है। आपको सामाजिक आवश्यकताओं को समझना चाहिए। इसे अपनी मुख्य जिम्मेदारी के रूप में लें और ऐसे समाधान विकसित करने के लिए नए विचारों के साथ आगे आएं जो निचले वर्ग में मौजूद लोगों के लिए फायदेमंद हों, जिसके लिए, आपको कम से कम 1 प्रोजेक्ट चुनना चाहिए जो समाज की जरूरतों को पूरा करता हो। स्टूडेंट्स से आग्रह किया कि यहां रहने के दौरान कम से कम एक खेल चुनें और उसमें सर्वश्रेष्ठ बनें। स्वस्थ जीवन जीने के लिए, आपको एक स्वास्थ्यवर्धक दिनचर्या अपनानी होगी। इस वर्ष, नए बीटेक स्टूडेंट्स को एमसीटीई, महू का दौरा करने और एक दिवसीय प्रशिक्षण व जीवन-कौशल संबंधी कार्यशाला में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

चार नए बीटेक प्रोग्राम शुरू

इस साल 99 लड़कियों, 2 ओसीआई और 3 प्रिपेरटॉरी सहित लगभग 480 स्टूडेंट्स ने विभिन्न प्रोग्राम में एडमिशन लिया। इस अवसर पर, मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन एंड इंजीनियरिंग (एमसीटीई) के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल केएच गवास बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। स्पेस साइंस एंड इंजीनियरिंग, केमिकल इंजीनियरिंग, मैथेमैटिक्स एंड कम्प्यूटिंग इंजीनियरिंग फिजिक्स में चार नए बीटेक प्रोग्राम इस शैक्षणिक वर्ष से शुरू हुए हैं। ये कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग और मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग एंड मैटेरियल्स साइंस में मौजूदा बीटेक प्रोग्राम के अतिरिक्त हैं। एक नई कार्यप्रणाली से अवगत कराने के लिए 3 अगस्त, से 6 दिनों तक नए स्टूडेंट्स को जीवन कौशल, शैक्षणिक, अनुसंधान और विकास, छात्र कार्य, ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट, नवाचार और ऊष्मायन, अंतर्राष्ट्रीय आउटरीच, रक्षा एवं सुरक्षा, छात्रावास और चिकित्सा सुविधाएं, पुस्तकालय और अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ से परिचय करवाया जाएगा।